International Journal of Applied Research 2020; 6(6): 411-414

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2020; 6(6): 411-414
www.allresearchjournal.com
Received: 11-04-2020
Accepted: 17-05-2020

डॉ. कृष्णा अग्रवाल
एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डॉ. कृष्णा अग्रवाल
एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, भारत

शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट का उपयोग : महाविद्यालयी छात्र–छात्राओं का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. कृष्णा अग्रवाल

सार
इंटरनेट आज की दुनिया में संचार का सबसे तेज व लोकप्रिय माध्यम है जिसके द्वारा सूचनाओं एवं संदेशों का आदान–प्रदान पूरे विश्व में मिनटों में ही नहीं कुछ सेकंड में ही संभव हो जाता है। न केवल विकसित देशों में बल्कि भारत जैसे विकासशील देश में इंटरनेट प्रयोग करने वालों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। सरकारी कार्यों, अर्थ जगत, मनोरंजन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, सामाजिक संपर्क और यहां तक कि शिक्षा तथा रोजमर्रा की जिंदगी की हर जरूरत के लिए इंटरनेट का प्रयोग व उपयोगिता बढ़ती जा रही है। सूचनाओं को खोजने के लिए आज विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के स्थान पर डिजिटल मीडिया का प्रयोग अधिक करते हैं। शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट का उपयोग सर्वव्यापी है।
प्रस्तुत शोध पत्र में महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में इंटरनेट उपयोग की जानकारी का स्तर, इंटरनेट उपयोग के प्रमुख कारण तथा शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट उपयोग के उद्देश्य को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है। इसके लिए उद्देश्यपूर्ण निदर्शन के आधार पर इंटरनेट प्रयोग करने वाले 50 छात्र तथा 50 छात्राओं को अध्ययन इकाई के रूप में चुना गया और साक्षात्कार अनुसूची के आधार पर सूचनाएं एकत्रित करके उनका तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

कूट शब्दः इंटरनेट, ऑनलाइन, शैक्षिक प्रयोजन, छात्र–छात्राएं, तुलनात्मक विश्लेषण।

प्रस्तावना
इंटरनेट एक दूसरे से जुड़े अनगिनत कंप्यूटरों का एक जाल है। यह विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क है जिसके माध्यम से सूचनाओं एवं संदेशों का आदान–प्रदान पूरे विश्व में मिनटों में नहीं कुछ सेकेंड्स में ही संभव हो जाता है। इसलिए आज की दुनिया में यह संचार का सबसे तेज व लोकप्रिय माध्यम होने के कारण मानव जीवन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। 2011 के अंत तक जहां पूरी दुनिया में लगभग 2 बिलियन लोग इंटरनेट का उपयोग करते थे वहीं 2019 में यह संख्या बढकर 4.388 बिलियन हो गई। (Simon Kemp, 2011–2019)। दुनियाभर में इंटरनेट प्रयोग करने वाले लोगों की संख्या के आधार पर चीन प्रथम स्थान पर है और दूसरा स्थान भारत का है। (Mary Meeker Report, 2019)
भारत में इंटरनेट का प्रारंभ 1986 में हुआ किंतु लगभग एक दशक बाद सामान्य उपयोग के लिए इंटरनेट की औपचारिक शुरुआत 15 अगस्त 1995 को बीएसएनएल द्वारा की गई थी। तब उसकी गति मात्र 8 से 10 kbps थी। इससे मात्र 20–30 कंप्यूटर ही जुड़े थे और इंटरनेट कनेक्शन का मासिक खर्च भी बहुत ज्यादा था पर आज न केवल विकसित देशों में बल्कि भारत जैसे विकासशील देश में भी लोगों तक इंटरनेट की पहुंच बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। अपने प्रारंभिक दौर में इंटरनेट का सीमित उपयोग केवल वैज्ञानिकों व रक्षा विभाग के लिए किया जाता था परंतु आज इंटरनेट के प्रयोग का दायरा असीमित हो चुका है। केवल सरकारी कार्यों में ही नहीं अर्थ–जगत, मीडिया, विज्ञान– प्रौद्योगिकी, मनोरंजन, चिकित्सा, सामाजिक संबंध व संपर्क और यहां तक कि शिक्षा तथा रोजमर्रा की जिंदगी की हर जरूरत के लिए भी इंटरनेट का प्रयोग व उपयोगिता बढ़ती जा रही है। आज शायद ही कोई ऐसा काम हो जो ऑनलाइन इंटरनेट के माध्यम से न किया जा सके। 2016 में टेलीकॉम कंपनी जिओ ने करीब एक साल तक मुफ्त तथा बाद में असीमित इंटरनेट सेवा प्रदान करके लोगों को इंटरनेट उपयोग का आदी बना दिया है। सस्ते डेटा लागत के कारण डिजिटल क्रांति अब छोटे कस्बों और गांवों की तरफ बढ़ रही है। जहां जनवरी 2011 में भारत की कुल जनसंख्या का 08% अर्थात 100 मिलियन लोग इंटरनेट का प्रयोग करते थे, वहीं जनवरी 2019 में भारत की कुल जनसंख्या का 41% अर्थात 563 मिलियन व्यक्ति इंटरनेट के सक्रिय उपयोगकर्ता थे। (Simon Kemp, 2011–2019)। भारत में लगभग 72% इंटरनेट उपयोगकर्ता 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। (Mary Meeker Report)

शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट का उपयोग–

कंप्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट, मोबाइल/स्मार्टफोन आदि के आने से सूचना व संचार प्रौद्योगिकी विकास हुआ है जिससे ई–शिक्षा, ई–बुक्स, डिजिटल लाइब्रेरी, आभासी कक्षाएं, ई मेल, सोशल मीडिया आदि के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में भी डिजिटल क्रांति का उदय हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इंटरनेट विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म है जिसका शैक्षिक प्रयोजन व मनोरंजन के लिए उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है। इंटरनेट शिक्षा के विकास में सहायक रहा है और विद्यार्थियों के लिए शोध तथा अन्वेषण हेतु एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। (Muflih, 2010)। विद्यार्थियों में इंटरनेट प्रयोग करने वालों का प्रतिशत काफी बड़ा है। सूचनाओं को खोजने के लिए विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रयोग अधिक पसंद करते हैं सूचनाओं तक अपनी पहुंच बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा गूगल सर्च इंजन सबसे अधिक प्रयोग किया जाता है। (Mustafa, 2011)। एक अध्ययन में यहां तक दावा किया गया कि विद्यार्थी जीवन में इंटरनेट का प्रयोग 100% तक पहुंच गया है। (Ruzgar, 2005) । इंटरनेट पर ऑनलाइन गतिविधियों में सक्रिय होने के कारण विद्यार्थी टेलीविजन पर प्रोग्राम कम देखते हैं। काम की सुगमता और समय की बचत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में इंटरनेट प्रयोग का सबसे बड़ा कारण है। विद्यार्थी इंटरनेट प्रयोग के प्रति काफी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। (Hong, *et al.* 2003)

महिलाओं व पुरुषों द्वारा इंटरनेट उपयोग की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है लेकिन यह उनकी इंटरनेट प्रयोग की कुशलता पर निर्भर करता है कि इंटरनेट उनके लिए उपयोगी है या नहीं। (Roman, 2003)। इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में, विभागों में, व कंप्यूटर लैब में इंटरनेट तक विद्यार्थियों की पहुंच काफी कमजोर है। अधिकतर विद्यार्थी प्राइवेट इंटरनेट सेवा या साइबर कैफे पर निर्भर हैं। विद्यार्थियों की इंटरनेट तक पहुंच बनाई जा सके इसके लिए उन्हें इंटरनेट उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। (Ani, 2010)। मूल रूप से इंटरनेट के दो मुख्य फायदे हैं: एक– संचार और दूसरा– सूचना। (Warren *et al*, 1998)। निम्नांकित बिंदुओं के आधार पर यह स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है कि विद्यार्थियों द्वारा उच्च शिक्षा में एकेडमिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट का प्रयोग किस प्रकार लाभदायक है :–

1. पाठ्यक्रम से संबंधित अध्ययन सामग्री (पी.डी.एफ., पुस्तकें, वीडियो आदि) पूरी दुनिया में उपलब्ध वेबसाइट्स से खोज कर प्रयोग/डाउनलोड किया जा सकता है जिसको भौतिक रूप से उपस्थित होकर खोज पाना संभव नहीं है। इससे समय, श्रम व धन की बचत होती है।
2. प्राथमिक रूप से शिक्षा में इंटरनेट का प्रयोग अध्ययन विषय को विस्तार से समझने के लिए, परीक्षाओं की तैयारी के लिए, होम असाइनमेंट आदि के लिए आमतौर पर विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है।
3. इंटरनेट का उपयोग बढ़ने के साथ ही शिक्षा में ई–लर्निंग के रूप में एक ऐसा माध्यम विकसित हुआ है जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने देश ही नहीं विदेशों से भी ऑनलाइन तरीके से रेगुलर कोर्स के अतिरिक्त घर बैठे कोई भी अन्य कोर्स कर सकते हैं। कई कोर्स तो ऑनलाइन फ्री में उपलब्ध हो जाते हैं।
4. इंटरनेट के द्वारा विद्यार्थी अपने शिक्षक के साथ तथा साथी छात्रों का एक ग्रुप बनाकर अपने कोर्स के बारे में चर्चा कर सकते हैं जो उनकी संप्रेषण/संचार कौशल, समस्या समाधान कौशल और आलोचनात्मक चिंतन कौशल को विकसित करने में मदद करता है।
5. आजकल अधिकतर प्रतियोगी परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित हो रही हैं। इंटरनेट के द्वारा विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का अभ्यास व तैयारी कर सकते हैं।
6. आजकल करियर के विभिन्न विकल्प ऑनलाइन उपलब्ध होते हैं जिनका उपयोग इंटरनेट के माध्यम से एक बेहतर कैरियर के चुनाव में किया जा सकता है। प्रवेश परीक्षा व नौकरी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।
7. इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग किया जा सकता है जिससे पूरी दुनिया की पुस्तकों, शोध–पत्रों, शोध– ग्रंथों आदि का अध्ययन विद्यार्थी अपनी जरूरत के अनुसार कर सकते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य–

शिक्षा में इंटरनेट का उपयोग सर्वव्यापी है। प्रस्तुत अध्ययन महाविद्यालयी छात्र–छात्राओं द्वारा शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट के उपयोग पर केंद्रित है जिसके प्रमुख उद्देश्य निम्नांकित हैं:–

- इंटरनेट उपयोग के प्रमुख कारण ज्ञात करना।
- इंटरनेट उपयोग की जानकारी का स्तर ज्ञात करना।
- शिक्षा के लिए इंटरनेट उपयोग के प्रयोजन/उद्देश्य का विश्लेषण करना।

अध्ययन प्रविधि:– प्रस्तुत अध्ययन तुलनात्मक है और सर्वेक्षण पद्धति पर आधारित है। इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से संबद्ध श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ के कला संकाय में सत्र 2018 –19 में स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययनरत उन छात्र छात्राओं को अध्ययन की इकाई माना गया है जो पढ़ाई के लिए इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। इसके लिए उद्देश्यपूर्ण निदर्शन के आधार पर 50 छात्र व 50 छात्राओं का उत्तरदाताओं के रूप में चयन करके साक्षात्कार अनुसूची के द्वारा तथ्यों का संकलन किया गया है और उसके बाद उनका विश्लेषण किया गया है।

तथ्यों का विश्लेषण :–

तालिका नं. 1: इंटरनेट उपयोग के प्रमुख कारण

इंटरनेट उपयोग के कारण	छात्र		छात्रा	
	संख्या	%	संख्या	%
समय श्रम व धन की बचत	50	100	50	100
अध्ययन सामग्री की आसान उपलब्धता	36	72	31	62
त्वरित एवं नवीन सूचनाएं/जानकारी	45	90	38	76
सूचनाओं का भंडार	48	96	41	82

तालिका नं. 1 महाविद्यालयी छात्र छात्राओं में इंटरनेट उपयोग के विभिन्न कारणों को स्पष्ट करता है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह कि सभी 100% छात्र छात्राओं ने स्वीकार किया कि समय, श्रम तथा धन की बचत इंटरनेट उपयोग का सबसे बड़ा कारण है। 72% छात्रों और 62% छात्राओं ने इंटरनेट का उपयोग इसलिए किया कि इंटरनेट पर किसी भी विषय से संबंधित अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो जाती है। 90% छात्रों और 76% छात्राओं ने नवीन सूचनाओं व जानकारी को त्वरित प्राप्त करने के लिए इंटरनेट का प्रयोग किया। साथ ही 96% छात्र तथा 82% छात्राओं ने यह बताया कि इंटरनेट पर सूचनाओं का असीमित भंडार होता है इसलिए वे अपनी पढ़ाई में इंटरनेट का उपयोग करते हैं।

तालिका नं. 2: इंटरनेट उपयोग की जानकारी का स्तर

जानकारी का स्तर	छात्र		छात्रा	
	संख्या	%	संख्या	%
उच्च स्तर	27	54	13	26
मध्यम स्तर	21	42	31	62
निम्न स्तर	02	04	06	12
योग	50	100	50	100

इंटरनेट का उपयोग करने के लिए स्मार्टफोन व लैपटॉप/कंप्यूटर आदि का इस्तेमाल करने की कुशलता तथा इंटरनेट उपयोग की जानकारी होना आवश्यक है। जो छात्र छात्राएं इंटरनेट का प्रयोग अपनी पढ़ाई के लिए करते हैं उनकी जानकारी के स्तर को तालिका नं. 2 के अंतर्गत स्पष्ट किया गया है। जहां 54% छात्रों की इंटरनेट उपयोग की जानकारी उच्च स्तर की है वहीं केवल 26% छात्राओं की जानकारी का स्तर उच्च है। इस श्रेणी के छात्र छात्राएं इंटरनेट सर्फिंग, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग, इमेल, एम.एस. वर्ड, व्हाट्सएप व यूट्यूब का प्रयोग आदि सभी कार्य बहुत कुशलता के साथ कर लेते हैं। उच्च स्तर की जानकारी वाले छात्र–छात्राएं स्मार्टफोन व कंप्यूटर/लैपटॉप दोनों पर ही इंटरनेट का प्रयोग करना जानते हैं। मध्यम स्तर की जानकारी वाले 42% छात्रों की तुलना में 62% छात्राएं इंटरनेट सर्फिंग,

डाउनलोडिंग, व्हाट्सएप व यूट्यूब का प्रयोग आदि कार्य तो कर लेती हैं लेकिन अन्य कार्यों के लिए उन्हें इंटरनेट का उपयोग करने में कभी कभी दूसरों की मदद लेनी पड़ती है। निम्न स्तर की जानकारी वाले छात्र–छात्राओं का प्रतिशत काफी कम है। इस श्रेणी में 12% छात्राओं के मुकाबले 4% छात्रों की इंटरनेट प्रयोग से संबंधित जानकारी का स्तर निम्न है क्योंकि वे अपनी पढ़ाई के लिए इंटरनेट सर्फिंग, व्हाट्सएप/यूट्यूब आदि का थोड़ा बहुत प्रयोग कर लेते हैं। यह वे छात्र–छात्राएं हैं जो इंटरनेट का प्रयोग केवल स्मार्टफोन पर ही कर सकते हैं लैपटॉप या कंप्यूटर पर नहीं।

तालिका नं. 3: शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट उपयोग के विभिन्न उद्देश्य

उद्देश्य/प्रयोजन	छात्र		छात्रा	
	संख्या	%	संख्या	%
विषय को विस्तार से समझने के लिए	50	100	39	78
होम असाइनमेंट को तैयार करने के लिए	38	76	30	60
परीक्षा की तैयारी हेतु	40	80	26	52
पुस्तकें डाउनलोड करने हेतु	15	30	07	14
प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यास हेतु	20	40	04	08
शिक्षकों व पियर ग्रुप के साथ चर्चा हेतु	50	100	35	70
करियर की जानकारी हेतु	32	64	10	20
डिजिटल लाइब्रेरी के प्रयोग हेतु	05	10	00	00
ऑनलाइन कोर्स व कोचिंग हेतु	02	04	00	00

तालिका नं. 3 छात्र–छात्राओं द्वारा शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट उपयोग के विभिन्न उद्देश्यों को स्पष्ट करती है।

विषय को विस्तार से समझने के लिए 100% सभी छात्रों ने इंटरनेट का उपयोग किया है जबकि 78% छात्राओं ने भी इंटरनेट का प्रयोग करके अपने विषय को विस्तार से समझने का प्रयास किया है।

सतत् मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों को होम असाइनमेंट भी दिए जाते हैं जिन को तैयार करने में इंटरनेट का उपयोग काफी सहायक होता है। 60% छात्राओं की तुलना में 76% छात्रों ने होम असाइनमेंट के लिए इंटरनेट का प्रयोग किया है।

80% छात्रों की तुलना में केवल 52% छात्राओं ने वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी करते समय इंटरनेट पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री जैसे– वीडियो, पीडीएफ आदि का प्रयोग किया है।

सूचना और प्रौद्योगिकी के युग में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अच्छे विद्वानों की और महंगी पुस्तकें भी गूगल बुक्स पर उपलब्ध हो जाती हैं जो आसानी से बाजार में नहीं मिलतीं। इनमें से अनेक पुस्तकें फ्री में उपलब्ध हो जाती हैं जिनको ऑनलाइन डाउनलोड करके पढ़ाई करना एक आसान व सस्ता विकल्प है। जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है इसके लिए विद्यार्थी अधिक जागरूक नहीं है क्योंकि पुस्तकों को डाउनलोड करने के उद्देश्य से 14% छात्राओं और 30 % छात्रों ने इंटरनेट का प्रयोग किया है।

आजकल अनेक प्रतियोगी परीक्षाएं केवल ऑनलाइन ही होती है और कुछ ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही तरीके से संपन्न होती हैं जिसके लिए विद्यार्थियों को इंटरनेट का प्रयोग करना आवश्यक हो जाता है। इन परीक्षाओं के अभ्यास के लिए मॉक टेस्ट, पूर्व के वर्षों के प्रश्नपत्र आदि ऑनलाइन उपलब्ध होते हैं जिनका प्रयोग उन परीक्षाओं का अभ्यास व तैयारी के लिए लाभदायक होता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो 40% छात्रों की तुलना में केवल 8% छात्राओं ने इंटरनेट का उपयोग इन प्रतियोगी परीक्षाओं की अभ्यास व तैयारी के लिए किया है। नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त अपने शिक्षकों तथा पियर ग्रुप के साथ व्हाट्सएप, फेसबुक, आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्रुप बनाकर अपनी पढ़ाई से संबंधित चर्चा करने वाले विद्यार्थियों में 70% छात्राओं की तुलना में 100% छात्र अधिक सक्रिय होते हैं।

शिक्षा प्राप्त करने का एक बड़ा मकसद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होता है जिसके लिए आज करियर के अनेक विकल्प ऑनलाइन इंटरनेट के माध्यम से खोजे जा सकते हैं किंतु 64% छात्रों की तुलना में केवल 20% छात्राओं ने ही करियर के नए अवसरों को खोजने के लिए इंटरनेट का सहारा लिया है।

पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों के अतिरिक्त संदर्भ पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रत्येक महाविद्यालय में पुस्तकालय की व्यवस्था होती है परंतु वहां एक ही समय में सभी विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता सीमित होती है और यह जरूरी नहीं कि सभी पुस्तकें वहां उपलब्ध हो। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल लाइब्रेरी का महत्व अत्यधिक बढ़ जाता है। जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है डिजिटल लाइब्रेरी के उपयोग के प्रति छात्र छात्राओं में जागरूकता व जानकारी की कमी है क्योंकि केवल 10% छात्रों ने अपनी पढ़ाई के दौरान डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग किया है जबकि छात्राओं ने डिजिटल लाइब्रेरी का कोई उपयोग नहीं किया है।

आज बहुत सारे कोर्स व कोचिंग ऑनलाइन उपलब्ध होती है जो विद्यार्थी घर बैठे कर सकते हैं और पैसे व समय बचा सकते हैं किंतु इंटरनेट का उपयोग करके ऑनलाइन कोर्सेज या कोचिंग क्लास करने के प्रति भी छात्र–छात्राओं का रुझान काफी कमजोर है क्योंकि जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है केवल 04% छात्रों ने ऑनलाइन कोचिंग या कोई कोर्स करने के लिए इंटरनेट का उपयोग किया है जब कि इस श्रेणी में छात्राओं की संख्या नगण्य है।

निष्कर्ष– उपर्युक्त तालिकाओं के विश्लेषण के आधार पर प्रस्तुत शोध पत्र में निम्नांकित निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं–

- सभी छात्र छात्राएं समय, श्रम तथा धन की बचत के लिए इंटरनेट का प्रयोग करते हैं।
- इंटरनेट पर सूचनाओं का भंडार होता है इसलिए नवीन सूचनाओं के त्वरित तथा आसानी से प्राप्त हो जाने के कारण वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं।
- छात्राओं की तुलना में छात्रों में इंटरनेट उपयोग की जानकारी उच्च स्तर की है। निम्न स्तर की जानकारी वाले छात्र–छात्राओं की संख्या बहुत कम है।
- सभी छात्र छात्राएं अपने विषय को विस्तार से समझने के लिए इंटरनेट का प्रयोग करते हैं । होम असाइनमेंट को तैयार करने के लिए भी अधिकांश छात्र छात्राओं में इंटरनेट का उपयोग किया है।
- परीक्षाओं की तैयारी हेतु छात्राओं की तुलना में छात्रों ने इंटरनेट का प्रयोग अधिक किया है। प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यास के लिए इंटरनेट का उपयोग छात्रों ने तो किया है किंतु इस श्रेणी में छात्राओं की संख्या बहुत कम है।
- इंटरनेट से अपने कोर्स से संबंधित पुस्तकें डाउनलोड करने के बारे में छात्र–छात्राओं की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक नहीं है फिर भी छात्राओं के बजाय कुछ छात्रों में पुस्तकें डाउनलोड करने में अधिक रुचि पाई गई है।
- व्हाट्सएप और फेसबुक पर शिक्षकों तथा पियर ग्रुप के साथ पढ़ाई से संबंधित चर्चा करने के लिए सभी छात्रों तथा अधिकांश छात्राओं ने इंटरनेट का प्रयोग किया है।
- करियर से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए छात्राओं की तुलना में छात्रों ने इंटरनेट का प्रयोग अधिक किया है।
- इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन कोर्स व कोचिंग करने व डिजिटल लाइब्रेरी के उपयोग के बारे में छात्र–छात्राओं को अधिक जानकारी नहीं है। इसीलिए छात्राओं के बजाय कुछ छात्रों ने ही डिजिटल लाइब्रेरी का प्रयोग किया है।

अतः यह स्पष्ट हो जाता है कि महाविद्यालयी छात्र–छात्राओं में शैक्षिक प्रयोजन के लिए इंटरनेट का उपयोग धीरे धीरे बढ़ता जा रहा है परंतु इंटरनेट का उपयोग करते समय इंटरनेट सुरक्षा व सूचनाओं की प्रमाणिकता की दृष्टि से बहुत अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है।

अध्ययन की सीमाएं– प्रस्तुत अध्ययन में निदर्शन का चयन केवल एक ही महाविद्यालय से किया गया है। निदर्शन में केवल कला संकाय के स्नातकोत्तर अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में लिंग के आधार पर इंटरनेट प्रयोग की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

संदर्भ सूची–

1. Ani Okon E. Internet access and use: A study of undergraduate students in three Nigerian Universities. The Electronic Library. 2010;28(4):555-567.

2. Dogruer N, Eyyam R, Menevis I. The use of the internet for educational purposes Procedia - Social and Behavioral Sciences. 2011;28:606-611.
3. Hong KS, Ridzuan AA, Kuek MK. Students Attitudes Toward the use of the Internet for Learning: A study at a university in Malaysia. Educational Technology & Society. 2003;6(2):45-49.
4. Internet users in India to reach 647 million in Report, The Economic Times, 2019.
5. Internet Trends. Mary Meeker Report, 2019.
6. Meerkerk GJ, Van Den Eijnden RJ, Garretsen HF. Predicting compulsive Internet use: it's all about sex! Cyberpsychol Behav. 2006 Feb;9(1):95-103.
7. Md. Akram Hussain, Md. Habibur Rahman. Comparative study of internet usage among University students: A study of the University of Dhaka, Bangladesh, European Scientific Journal. 2017;13(34):134-150. ISSN: 1857-7431
8. Muflih M. The extent of the use of the internet in education by teachers of irbid second education and the obstacles to their use. Damascus University Journal. 2010;26(4):391-436.
9. Mustafa S. Internet access and use among business students of a private University of Bangladesh: a survey, Annals of Library Science and Information Studies. 2011;58:78-85.
10. Roman CMV. Gender differences in the patterns of internet uses in a sample of Library Science students of Peruvian University, Investigation Bibiliotecologica. 2003;17(34):33-53.
11. Ruzgar, Nursel Selver. A research on the Purpose of Internet Usage and Learning via Internet. The Turkish Online Journal of Educational Technology. 2005;4(4):27-32.
12. Safdar M, Mahmood K, Qutab S. Internet use behavior and attitude of college students: A survey of Leadership Colleges' Network. Library Philosophy and Practice (e-Journal), 2010, 366.
13. Simon Kemp. Digital: India, Data Reportal, 2011.
14. Simon Kemp. Digital India, Data Reportal, 2019.
15. Sujatha HR. Analysis of Internet Use in Undergraduate Colleges of Mangalore. Published in DESIDOC Journal of Library & Information Technology. 2011;31(1):35-40.
16. Warren A, Brunner D, Mair P, Barnet L. Technology in Teaching and Learning: An Introductory Guide. London: Kogan Page, 1998.